लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 308

22 जुलाई, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

वस्त्र उद्योग हेतु विज़न 2030

308. श्री प्रभुभाई नागरभाई वसावा:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वस्त्र उद्योग को 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर का उद्योग बनाने के लिए विजन 2030 के अनुरूप कपास की उत्पादकता और गुणवत्ता बढ़ाने, नवाचार को बढ़ावा देने और समग्र वस्त्र मूल्य श्रृंखला को सुदृढ़ करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार की समग्र कपास मूल्य श्रृंखला को सुदृढ़ करने के लिए किसानों, उद्योग और अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग स्थापित करने की योजना है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वस्त्र मंत्री

(श्री गिरिराज सिंह)

(क): विज़न 2030 के अनुरूप कपास की उत्पादकता और गुणवत्ता बढ़ाने, नवाचार को बढ़ावा देने और संपूर्ण वस्त्र मूल्य श्रृंखला को मज़बूत करने के लिए, माननीय वित्त मंत्री जी ने अपने बजट भाषण वर्ष 2025-26 में एक पाँच वर्षीय 'कपास उत्पादकता मिशन' की घोषणा की थी। कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डीएआरई) इस मिशन के कार्यान्वयन के लिए नोडल विभाग है, जिसमें वस्त्र मंत्रालय भागीदार है।

इस मिशन का उद्देश्य सभी कपास उत्पादक राज्यों में अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों सहित रणनीतिक पहलों के माध्यम से कपास उत्पादन को बढ़ावा देना है। इस मिशन में एडवांस्ड ब्रीडिंग और बायोटेक्नोलॉजी टूल्स का उपयोग करके, एक्स्ट्रा लॉन्ग स्टेपल (ईएलएस) कपास सहित, जलवायु-अनुकूल, कीट-प्रतिरोधी और उच्च उपज देने वाली कपास किस्मों के विकास पर भी ध्यान केंद्रित करने का प्रस्ताव है।

आईसीएआर-केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान (सीआईसीआर), नागपुर द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन (एनएफएसएनएम) के तहत 8 प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में वर्ष 2023-24, वर्ष 2024-25 के दौरान 'एग्रो-इकोलॉजिकल क्षेत्रों के लिए प्रौद्योगिकियों को लक्षित करना - कपास उत्पादकता बढ़ाने हेतु सर्वोत्तम पद्धतियों का बड़े पैमाने पर प्रदर्शन' शीर्षक से कपास पर एक विशेष परियोजना लागू की गई है और कपास की उत्पादकता तथा ईएलएस कपास का उत्पादन बढ़ाने के लिए यह वर्ष 2025-26 में भी जारी है। इस विशेष परियोजना का कुल परिव्यय 6,032.35 लाख रुपये है।

(ख) और (ग): 'कपास उत्पादकता मिशन' का उद्देश्य किसानों को अत्याधुनिक वैज्ञानिक और तकनीकी सहायता प्रदान करना है, जिससे उत्पादकता में वृद्धि हो, फाइबर की बेहतर गुणवत्ता हो और जलवायु एवं कीट-संबंधी समस्याओं के प्रति बेहतर रूप से सक्षम हो सके। सरकार के एकीकृत 5एफ विजन, फार्म टू फाइबर टू फैक्ट्री टू फैशन टू फॉरेन के अनुरूप, इस मिशन से कपास किसानों की आय में वृद्धि होने, उच्च गुणवत्ता वाले कपास की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित होने और भारत के पारंपरिक वस्त्र क्षेत्र का पुनरूद्धार होने की संभावना है, जिससे इसकी वैश्विक प्रतिस्पर्धा में वृद्धि होगी।

***